SC

[3] No. of printed pages : 2

SARDAR PATEL UNIVERSITY
BA (II Semester) Examination
Tuesday, 7 April 2015
10.30 am - 1.30 pm
UA02FHIN02 - Foundation Elective Hindi
पंचवटी

Total Marks: 70

प्र.१ ससंदर्भ व्याख्या कीजिए । **(किन्हीं तीन)** (१५)

(क) ''बेचारी उर्मिला हमारे लिए व्यर्थ रोती होगी ।
क्या जाने वह, हम सब वन में होंगे इतने सुख भोगी ।
मग्न हुए सौमित्र चित्र सम नेत्र निमीलित एक निमेश ।
फिर आँखे खोली तो यह क्या अनुपम रूप, अलौकिक वेश ।''

(ख) ''शूरवीर कहकर भी मुझको तुम जो भीरु बताती हो ।
इससे सूक्ष्म दर्शिता ही तुम अपनी मुझे जताती है ।
भाषण भंगी देख तुम्हारी हाँ मुझको भय होता हैं ।
प्रमदे तुम्हें देक वन में यों मन में संशय होता है ।''

(ग) ''नहीं विघ्न बघाओं को हम स्वयं बुलाने जाते हैं ।
फिर भी ये यदी आ जावें तो कभी नहीं घबराते हैं ।
मेरे मत में तो विपदाएँ है प्राकृतिक परीक्षाएँ,
उनसे वहीं डरें, कच्ची हों जिनकी शिक्षा-दिक्षाएँ ।।''

(घ) ''चारुचन्द्र की चंचल किरणें, खेल रही है जल थल में ।
स्वच्छ चाँदनी बिछी हुई है, अवनी और अम्बर तल में ।
पुलक प्रकट करती है धरती, हरित तृणों की नोकों से ।
मानो झीम रहे है तरु भी, मन्द पवन के झोकों से ।।''

(च) ''कह सकती हो तुम कि चंन्द्र का कौन दोष-जो ठगा चकोर ।
किन्तु कलाधर ने डाला है, किरण चल क्यों उसकी ओर ।
दीप्ति दिखाता यदी न दीप तो जलता कैसे कूद पतंगा ।
वाद्य-मुग्ध - करके ही फिर क्या व्याघ पकडता नहीं कुरुंगा ।''

प्र.२ 'पंचवटी' खंडकाव्य के आधार पर लक्ष्मण की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। (२०)

अथवा

प्र.२ टिप्पणी लिखिए : (२०)
(१) 'पंचवटी' में नारी जीवन ।
(२) 'पंचवटी' की शूर्पणखा ।

प्र.३ 'पंचवटी' खंडकाव्य का कथानक बताते हुए उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । (२०)

अथवा

प्र.३ टिप्पणी लिखिए : (२०)

(१) पंचवटी शीर्षक की सार्थकता

(२) पंचवटी का पूर्वाभास

प्र.४

(क) आपकी कॉलेज में मनाये गए 'स्वच्छता अभियान कार्यक्रम' का वर्णन करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए । (०५)

अथवा

(ख) हिन्दी में अनुवाद कीजिए । (०५)

સંસ્કૃત ભાષામાં સંતોને પરમ હિતકારી કહ્યા છે, તો વળી, આપણી ભાષાના એક કવિએ તો ગાયું છે કે, 'શાંતિ રે પમાડે તેને સંત કહીએ !' સંતો વૃક્ષો જેવા હોય. પોતે તાપ વેઠીનેય બીજાને છાંયડો આપે. પથ્થર મારનારનેય ફળ આપે ! માનવસેવાનું હિત જેમને હૈયે વસ્યુ હતુ, એવા એક સંતની અહીં વાત કરવી છે. એમનું નામ પૂજ્ય મોટા. એ વાત સાચી કે, પૂજ્ય મોટા તો એ પાછળથી બન્યા, પોતાના ઉમદા કાર્યો થકી. પહેલા તો તેઓ પણ મારી તમારી જેમ સામાન્ય માણસ હતા.

अथवा

School is the second home for the children. I love my school very much. My school name is Smt. Sadhna Vidhyalay. It situated on the bank of river Narmada. The building of my school is very big. It has big play ground. The atmosphere of my school is very attractive. There are many trees in the school ground. My school has many class rooms. There is one prayer hall and Science laboratry I respect to all my teachers. Really I like my school very much.

(ग) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखें । **(किन्ही पाँच)** (०५)

(१) जिसका उदर लम्बा हों -

(२) विश्वास के योग्य -

(३) पुत्र का पुत्र -

(४) नहीं मरनेवाला -

(५) झूठ बोलनेवाला -

(६) द्रुपद की पुत्री -

(७) जिसका तेज निकल गया है -

* * *